सफलता की कहानी

ललितपुर (उ0प्र0)

विद्यालयों में स्वच्छता सुविधा

यूनिसेफ का एक ठोस प्रयास

Reporting By: Sanjay Singh Chauhan, DWSC, Jhnasi

बच्चों की प्रथम पाठशाला उनका घर एवं प्रथम गुरू उनके माता पिता होते हैं। बच्चों में अच्छी बुरी आदतों का समावेश सर्वप्रथम उनके घर से एवं तत्पश्चात उनके विद्यालय से होता है। किन्तु व्यवहारिक तौर पर यह बात सिद्ध हो चुकी है कि घर की मुर्गी दाल बराबर की कहावत अकाट सत्य है। इसलिये बच्चों पर अपने मां बाप से अधिक प्रभाव उनके विद्यालय के वातावरण एवं परिवेश का होता है जहां वे शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। इसी क्रम में बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं स्वच्छता की आदतें डालने की यदि बात की जाये तो वह विद्यालयों में सर्वोत्तम सम्भव है।

उक्त तथ्य को चरित्रार्थ करने का कार्य यूनीसेफ, उ0 प्र0 ने उस समय किया जबकि इसका बिल्कुल सही वक्त था। सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत विद्यालयों में भौचालय (मूत्रालय एवं हाथ धोने की सुविधा सहित) निर्माण हेतु करोड़ो रूपया पंचायती राज विभाग से सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के खातों में हस्तान्तरित किये हुये लगभग 6 माह बीतने के पश्चात् भी विद्यालयों में भौचालय का निर्माण कार्य या तो प्रारम्भ ही नहीं कराया गया था अथवा एकाध निर्माण जो कराया गया वह पूर्णतयः धन की बर्बादी से अधिक कुछ और नहीं था। ऐसे ही वक्त में यूनीसेफ, उ0 प्र0 ने प्रदेश के 12 स्वच्छता विशेशज्ञों की एक टीम को उक्त निर्माण में सलाहकार के रूप में लगाकर बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया। ललितपुर जनपद में 6 विकास खण्ड हैं प्रत्येक

विकास खण्ड में १ स्वच्छता विशेशज्ञों की सहायता से विद्यालयों में भौचालय निर्माण का जो कार्य कराया गया है वह विद्यालयी स्वच्छता के क्षेत्र में अब तक किये गये तमाम प्रयासों से अलग मील का पत्थर साबित किये जाने का सार्थक प्रयास था।

विभिन्न विद्यालयों में निर्धारित समय सीमा में एवं निर्धारित धनराशि में स्वच्छता विशेशज्ञों द्वारा विभिन्न माँडलों एवं डिजायनों के भौचालयों का निर्माण कराकर जो मिसाल कायम करने का प्रसास किया गया है वह अत्यन्त ही भाानदार है। इसके लिये पंचायत राज विभाग को यूनीसेफ, उ०प्र० के अमित मेहरोत्रा को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये एक बार पुनः इस प्रकार के सहयोग की मांग की जानी चाहिये।ताकि भोश कार्य को गुणवत्ता पूर्ण ढ़ ग से कराया जा सकें।

विद्यालयों में पर्याप्त रोशनदान, रूरल पैन, हवा, पानी की उपलब्धता के साथ- साथ विशेशज्ञों द्वारा बच्चों में भौचालय के प्रति आर्कशण पैदा करने हेतु विभिन्न डिजायनों एवं आकर्शक पेंटिंग्स आदि का कार्य कराये जाने से बच्चों में भौचालय के प्रयोग हेतु अभिरूचि भी पैदा करने का कार्य किया गया है।

इस कार्य को सम्पन्न कराने में प्रदेश के ११ स्वच्छता विशेशज्ञों की एक टीम के अतिरिक्त अमित मेहरोत्रा, परियोजना अधिकारी, यूनीसेफ, उ० प्र० जल निगम, के आर० एम० त्रिपाठी, सुरेन्द्र जय नारायन उप निदेशक (पंचायत) झांसी मण्डल, झांसी, ललितपुर जनपद के जिला पंचायत राज अधिकारी, स०वि०अ० (पं०) ग्राम प्रधान (विशेश रूप से) एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों का विशेश योगदान रहा। विशेशज्ञों द्वारा लगभग १ माह तक प्रदान की गई ऊर्जा एवं स्प्रिट की निरन्तरता बनाये रखने

हेतु पंचायती राज विभाग एवं शिक्षा विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस दिशा में किये गये निरन्तर एवं भातत् प्रयास विद्यालय की स्वच्छता के क्षेत्र में ललितपुर जनपद का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा सकते हैं।

बच्चों के मंत्रीमण्डल का गठन

ऊपर लिखित निर्माण कार्य के अतिरिक्त यूनीसेफ के मार्गदर्शन से इसी अवधि में इन्हीं स्वच्छता विशेशज्ञों द्वारा लगभग ३०० विद्यालयों में उपलब्ध स्वच्छता सुविधाओं के प्रयोग एवं विद्यालयी स्वच्छता को आत्मनिर्भर बनाने हेतु ''बच्चों के मंत्री मण्डल का गठन किया गया है''। बच्चों मंत्री मण्डल के गठन के इस कार्य ने विद्यालय की स्वच्छता की दिशा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का आगाज दर्ज कराया है।

बच्चों के मंत्री मण्डल के गठन की इस कार्यवाही में चयनित प्रत्येक विद्यालय में निम्नानुसार कार्यवाही की गई है :-

प्रधानमंत्री/उप प्रधानमंत्री का चुनाव-

समस्त उपस्थित छात्र-छात्राओं में से प्रधानमंत्री/उप प्रधानमंत्री के चुनाव में खड़े होने के लिये उन्हें प्रेरित किया गया। विभिन्न विद्यालयों में ३ से १० तक उम्मीदवारों ने उक्त दोनो पदो हेतु अपनी प्रत्याशिता दर्ज कराई, तत्पश्चात एक-एक कर प्रत्येक प्रत्याशी को छात्रों के सामने खड़ा करके उसके पक्ष में हाथ उठाकर वोट देने के लिये कहा गया और अन्त में जिस प्रत्याशी के पक्ष में सर्वाधिक मतदान हुआ उसी को सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री/उप प्रधानमंत्री घोशित किया गया।

तत्पश्चात उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं को पांच समूहों में विभाजित कर उनका नामकरण महापुरूशों/नदियों/कलाकारों/खिलाड़ियों इत्यादि के नाम पर

उन्हीं की इच्छानुसार किया गया। फिर प्रत्येक समूह एक मंत्री व एक उप मंत्री का चुनाव उसी सम्बन्धित समूह में से उनका चुनाव कराकर किया गया। इन चयनित मंत्रियों को क्रमशः शिक्षा मंत्रालय, जल एवं पर्यावरण मंत्रालय, खेल एवं सांस्कृतिक मंत्रालय, विज्ञान एवं पुस्ताकालय मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया।

प्रधानमंत्री सहित पूरे मंत्री मण्डल को उनके कार्य एवं दायित्व भी समझाये गये, साथ ही लिखित रूप से भी उन्हें उपलब्ध कराया गया। विद्यालय में बच्चों मंत्री मण्डल के क्रिया-कलापों को संचालित एवं व्यवस्थित ढ़ग से चलाने हेतु उसी विद्यालय के एक शिक्षक को ''**समन्वयक शिक्षक**'' नियुक्त किया गया, जो मंत्रीमण्डल की बैठकों आहूत करने एवं बैठक की कार्यवाही लिखने इत्यादि का कार्य करेगा।

मंत्री मण्डल का गठन ललितपुर जनपद में विद्यालयी स्वच्छता में यूनीसेफ उ0प्र0 द्वारा किया गया एक **ठोस प्रयास** है।